कांग्रेस में सीज़फायर-विधायक और कांग्रेसजनों से होगा 3 दिन तक वन-टू-वन संवाद

पायलट के दौरे के पोस्टर में शामिल हुईं मुख्यमंत्री और पी.सी.सी. अध्यक्ष की फोटो, डोटासरा ने किया गुटबाजी से इंकार

जयपुर, 15 अप्रेल (का.प्र.)। सरकार के कामकाज और योजनाओं को लेकर जनता में क्या रुझान है। इसे लेकर अब सत्ता और संगठन ने पार्टी विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ वन टू वन संवाद का फैसला लिया है और 17 से लेकर 20 अप्रैल तक यह कार्यक्रम चलेगा। इस दौरान 1 दिन की कार्यशाला का भी आयोजन रखा गया है। वहीं दूसरी ओर लगता है कि सचिन पायलट मसले को लेकर उठा बवाल शांत हो गया है और पार्टी में सीज़फायर के संकेत मिल रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पार्टी में किसी भी गुटबाजी से इनकार किया। सचिन पायलट के 17 अप्रैल को शाहपुरा और खेतड़ी दौरों के कार्यक्रम के लिए आज जारी पोस्टर में

- 17 से 20 अप्रैल तक मुख्यमंत्री गहलोत पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा और प्रभारी रंधावा करेंगे वन-टू-वन संवाद, 19 अप्रैल को बिरला सभागार में कार्यशाला होगी।

मुख्यमंत्री गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा और प्रभारी रंधावा सहित कांग्रेस नेताओं के फोटो हैं, जो बता रहे हैं कि मामला शांत हो चुका है। इधर 17 अप्रेल से 20 अप्रेल तक जयपुर में फीडबैक बैठकों का दौर चलेगा और सरकार के कामकाज और योजनाओं का जमीनी फीडबैक लिया जाएगा। फीडबैक बैठकों के जरिए विधायकों, पार्टी के नेताओ, कार्यकर्ताओं से पूछा जाएगा कि सरकार के कामकाज को लेकर जनता क्या सोचती है? फीडबैक कार्यक्रमों में बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों और निर्दलीय विधायकों को भी बुलाया गया है। कार्यक्रम के अनुसार 17 अप्रेल को अजमेर संभाग के अजमेर, टोंक, नागौर, भीलवाड़ा के और जोधपुर संभाग के जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर के कांग्रेस विधायकों से वन टू वन फीडबैक लिया जाएगा।

अगले दिन 18 अप्रेल को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद डोटासरा व प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा उदयपुर संभाग के उदयपुर, चित्ताड़गढ़, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद के साथ कोटा संभाग के कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़ और भरतपुर संभाग के भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर जिले से आने वाले कांग्रेस विधायकों से भी वन टू वन संवाद करेंगे।

वहीं 20 अप्रेल को बीकानेर संभाग के बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ के साथ-साथ जयपुर संभाग के जयपुर, अलवर, दौसा, सीकर और झुंझुनूं जिले के विधायकों से वन टू वन संवाद किया जाएगा। वहीं सरकार की योजनाओं और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा होगी।

3 दिन के संवाद कार्यक्रमों के बीच सरकार के कामकाज की जमीनी हकीकत परखने और प्रमुख योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए 19 अप्रेल को बिड़ला सभागार में भी एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एआईसीसी और पीसीसी सदस्य, प्रदेश कार्यकारिणी, सांसद, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, पूर्व नेता प्रतिपक्ष, पूर्व मंत्री, विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी रहे नेता, जिलाध्यक्षों, अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी पंचायत और स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। जिसमें 24 अप्रेल से लगने वाले महंगाई राहत शिविरों को लेकर भी उन्हें जानकारी दी जाएगी। इधर सचिन पायलट मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि हमारी पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। मिल बैठकर बात कर लेंगे। हम सब एकजुट हैं और एकजुटता के साथ ही चुनाव में जाएंगे। कांग्रेस ने ओबीसी विभाग के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डोटासरा ने कहा कि कहा कि हमारी पार्टी में कोई झगड़ा नहीं है, ज्यादा झगड़े तो बीजेपी में हैं।

भाजपा ओबीसी का अपमान कर दिया जबकि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता ओबीसी का भला सोचते हैं। अमित शाह के दौरे को लेकर गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा का फोकस केवल चुनाव और सत्ता पर है। उन्हें गरीब, युवा, बेरोजगार, किसान किसी का ध्यान नहीं है। ईस्टर्न कैनाल परियोजना पर भाजपा कुछ नहीं बोल रही है। यह योजना 13 जिलों से जुड़ी हुई है। ईआरसीपी को राष्ट्रीय योजनाओं नहीं बना रहे हैं, इसका जवाब अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी को देना चाहिए।

पायलट के शाहपुरा व खेतड़ी दौरे के कार्यक्रमों के लिए आज जारी पोस्टर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा के फोटो शामिल किए गए हैं, इससे राजनैतिक हलकों में अटकलों का बाज़ार गर्म है कि, पार्टी में "सीज़फायर" है और सब शांत हैं। खुद डोटासरा ने भी पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि, कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं है।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'2019 के..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्राथमिकता नहीं है।" आर.जे.डी. नेता मनोज झा ने कहा कि "पुलवामा घटना की असली सच्चाई अब सामने आ रही है। पुलवामा की घटना 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले ही क्यों? घटी जनता अब सब समझने लगी है।"

इसके साथ ही, आर.एस.एस. नेता राम माधव ने मलिक द्वारा मानहानि का बयान दिये जाने को लेकर, उन्हें एक कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस की प्रतिक्रिया में, पूर्व राज्यपाल ने क्षमा याचना की माँग को खारिज कर दिया है।

थापर के साथ सम्पन्न हुये इन्टरव्यू में, पूर्व राज्यपाल ने आर. एस. एस. के उस नेता के रूप में राम माधव को नाम लिया था, जिसने दो फाइलों को स्वीकृत करने के लिये उनसे कहा था, जिसके 300 करोड़ की रिश्वत उन्हें दी जा सकती थी। माधव ने इस आरोप को "असत्य तथा (उन्हें) बदनाम करने वाला" कहा है।

भ्रष्टाचार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं: आप मेरी मदर करें और मैं आपकी मदद करुं ये दोनों राजनैतिक संकट के समय एक-दूसरे की मदद करते हैं और ठीक यही वो बिन्दु है जिस पर अमित शाह निशाना साध रहे हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय की बी.ए. प्रथम वर्ष की भूगोल परीक्षा का पेपर लीक

चौमूं उपखण्ड के कालाडेरा के सेठ आर.एल. सहरिया पीजी महाविद्यालय में हुआ है पेपर लीक

चौमूं / कालाडेरा, 15 अप्रैल (निसं) । प्रदेश में रीट, कांस्टेबल, जेईएन परीक्षा के पेपर लीक के बाद एक बार फिर पेपर लीक की घटना सामने आई है। इस बार राजस्थान यूनिवर्सिटी के बी.ए. प्रथम वर्ष भूगोल विषय का पेपर लीक हुआ है।

शनिवार को सुबह 11:00 बजे से लेकर 2:00 बजे तक बी.ए. (प्रथम वर्ष) के भूगोल विषय की परीक्षा होनी थी। परीक्षा शुरू होने से 15 मिनट पहले 10:45 पर ही पेपर सोशल मीडिया ग्रुप पर आ गया।

जैसे ही मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से पेपर वायरल होने की जानकारी मिली तो तुरंत युनिवर्सिटी प्रशासन जांच में जुट गया। जिस महाविद्यालय के सेंटर से सोशल मीडिया पर पेपर को वायरल किया गया । उस महाविद्यालय को यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सूचना दी । साथ ही यूनिवर्सिटी प्रशासन के निर्देश के बाद कॉलेज प्रशासन ने सोशल मीडिया पर पेपर को वायरल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाई ।

- महाविद्यालय में प्राइवेट वीक्षक द्वारा सोशल मीडिया पर पेपर को वायरल करने की बात सामने आई।
- कॉलेज प्रशासन ने पुलिस थाने में दी लिखित रिपोर्ट, पुलिस जांच में जुटी।

पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार कालाडेरा कस्बे में स्थित सेठ आर.एल. सहरिया पीजी महाविद्यालय में शनिवार को 11:00 बजे से बी.ए. प्रथम वर्ष की भूगोल विषय की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा था। इसी दौरान परीक्षा होनी थी। पर परीक्षा के 15 मिनट पहले 10:45 पर ही पेपर सोशल मीडिया ग्रुप पर वायरल हो गया। पेपर वायरल होने की सूचना मिलने के बाद कॉलेज प्रशासन के द्वारा इस मामले को लेकर कालाडेरा थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं चौमूं विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि राजस्थान में कानून व्यवस्था बद से बदतर हो गई है।

प्रदेश में तीस जिले फिर करोना संक्रमण की चपेट में

राज्य में शनिवार को 419 नए संक्रमित मिले हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 15 अप्रैल। राजस्थान में एक बार फिर करोना संक्रमण तेज रफ्तार से फैलता जा रहा है। इसके चलते फिलहाल राज्य के 30 जिले इसकी चपेट में आ चुके हैं। इधर शनिवार को प्रदेश में 419 नए संक्रमित मिले हैं।

- जयपुर, अलवर और झुंझुनूं में करोना से तीन लोगों की मौत हो गई है।
- जालोर, बाड़मेर और करौली ही ऐसे जिले हैं, जहां फिलहाल न कोई नया संक्रमित है और न ही एक्टिव केस मौजूद हैं।

वहीं इस बीच तीन लोगों की इस बीमारी से मौत भी हुई है।

प्रदेश के तीन जिले बाड़मेर, जालोर और करौली को छोड़कर बाकी सभी 30 जिलों में करोना संक्रमण एक बार फिर फैल चुका है। ये तीन जिले ऐसे है जहां फिलहाल न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस मौजूद है।

उधर शनिवार को प्रदेश के 25 जिलों में 419 नए संक्रमित सामने आए हैं। इससे पहले शुक्रवार को राज्य में 397 रोगी पाए गए थे। इधर आज भी सबसे ज्यादा 132 नए संक्रमित जयपुर में मिले हैं।

राजधानी में 8 महीने बाद करोना के 100 से ज्यादा मामले सामने आए है। इससे पहले पिछले साल 31 अगस्त को 128 मरीज मिले थे। इसके अलावा आज उदयपुर में 51, अजमेर में 36, डूंगरपुर में 31, अलवर में 26, पाली में 22, जोधपुर में 19, बीकानेर में 15, प्रतापगढ़ में 12, झालावाड़ में 11, भरतपुर में 10, बांसवाड़ा व गंगानगर में 8-8, राजसमंद व सिरोही में 5-5, कोटा, चित्तौड़गढ़ व झुंझुनूं में 4-4, जैसलमेर, सीकर व टोंक में 3-3, बूंदी, नागौर व धौलपुर में 2-2 और चूरू में 1 नया संक्रमित मिला है। प्रदेश में शनिवार को 122 मरीज ठीक हुए हैं।

हालांकि नए संक्रमित अधिक होने से एक्टिव केस बढ़कर 2058 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 627 मामले जयपुर में हैं।

राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से जयपुर, अलवर और झुंझुनूं में 1-1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9680 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

बेटियों का यौन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रांसपोर्ट नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अभियुक्त के साथ उसकी शादी वर्ष 2003 में हुई थी। उसके तीन लड़कियां और एक लड़का है।

करीब एक साल पहले उसकी बड़ी लड़की ने उसे बताया कि पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। वहीं छोटी बेटी ने भी पिता द्वारा छेड़छाड़ किए जाने की बात कही थी।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त पिता को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं ट्रायल के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसने अपनी पत्नी को किसी अन्य व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। पत्नी के उस व्यक्ति से नाजायज संबंध भी थे।

जब उसने अपनी पत्नी को ऐसा करने से रोका तो पत्नी ने उसे रास्ते से हटाने के लिए बेटियों से मिलीभगत कर मामला दर्ज करा दिया। यदि उसने वास्तव में दुष्कर्म किया होता तो रिपोर्ट एक साल बाद दर्ज नहीं कराई जाती।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने कहा कि कोई भी मां अपनी नाबालिग बेटियों की प्रतिष्ठा और गरिमा को इस तरह दाव पर नहीं लगा सकती।

शरद पवार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एन.सी.पी. नेता प्रफुल्ल पटेल ने इस निर्णय को घुमाकर प्रस्तुत करते हुये कहा है, "हमें अपने राष्ट्रीय पार्टी के दर्जे को पुन: प्राप्त करने के लिये कुछ कदम तो उठाने ही पड़ेंगे।" उनकी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों के लिये "अलार्म घडी" चुनाव चिन्ह माँगा था तथा चुनाव आयोग ने उसे उपकृत कर दिया हैं अब एन.सी.पी. कर्नाटक के महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा वाले क्षेत्र में चुनाव लड़ने के लिये महाराष्ट्र एकीकरण समिति से बातचीत कर रही है। ज्ञातव्य है कि इस क्षेत्र में मराठी लोगों की अच्छी खासी संख्या है। यह सुनिश्चित है कि चुनावी मैदान में एन.सी.पी. के उतरने की कीमत उसके अपने ही मित्र दल, कांग्रेस को ही चुकानी होगी तथा इसके चलते, दोनों दलों के बीच के संबंधों में खटास आ सकती है। देखना यह है कि क्या इससे विपक्षी एकता के वे प्रयास प्रभावित होंगे या नहीं, जो भाजपा की ताकत से टकराने के लिये किये जा रहे हैं। एन.सी.पी. नेता शरद पवार ने विधानसभा चुनावों से संबंधित अपनी योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिये एक मीटिंग बुलाई है। एन.सी.पी. के नेतागण इस कदम को पार्टी के राष्ट्रीय दर्जे को फिर से हासिल करने के लिए उठाया गया कदम बता रहे हैं। ज्ञातव्य है कि एन.सी.पी. का राष्ट्रीय दल का दर्जा अभी-अभी, गोवा, मेघालय तथा मणिपुर विधानसभा चुनावों में उसके खराब प्रदर्शन के कारण, रद्द कर दिया गया है।

श्रीगंगानगर सबसे गर्म, पारा 42.1 डिग्री पर पहुंचा

बीकानेर, 15 अप्रैल (कासं)। कुछ दिन पहले तक हो रही रिमझिम बारिश से परेशान बीकानेर संभाग के निवासी अब उसी बरसात का इंतजार कर रहे हैं।

दरअसल तब खेत में बारिश और ओलावृष्टि फसलों को नुकसान पहुंचा रही थी और अब सूर्यदेव ने तल्खी दिखाई है। बीते चौबीस घंटों में बीकानेर संभाग राज्य में सबसे ज्यादा गर्म रहा।

श्रीगंगानगर में जहाँ तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं, बीकानेर आंशिक रूप से पीछे रहा। बीकानेर में अधिकतम तापमान 41.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा चूरू और हनुमानगढ़ में भी लोग गर्मी के थपेड़े सहन करने को मजबूर हो रहे हैं।

पश्चिमी राजस्थान में माउंट आबू को छोड़कर सभी जिलों में तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है।

- दूसरा स्थान 41.9 सैल्सियस के साथ बीकानेर का रहा।
- समूचा बीकानेर संभाग गर्मी से त्रस्त है। दिन का ही नहीं रात का तापमान भी सामान्य से बहुत ज्यादा है।

हनुमानगढ़ के संगरिया में तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में, 18 व 19 अप्रैल को पश्चिमी विक्षोभ फिर से सक्रिय होगा, जिससे बीकानेर संभाग में बारिश हो सकती है। ऐसे में गर्मी से भी कुछ राहत मिलेगी, लेकिन तब तक तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रहेगा। अगले दो दिन तक बीकानेर में पारा एक से दो डिग्री सेल्यिस बढ़ सकता है।

ना सिर्फ दिन में, बल्कि रात में भी गर्मी ने हाल बेहाल करना शुरू कर दिया है। बीकानेर में न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस रहा। बाड़मेर में न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री पर रूका। यहां दिन में पारा चालीस के पार है और रात का तापमान तीस डिग्री की ओर बढ़ रहा है। कहा जा रहा है कि, आने वाले दिनों में बीकानेर में न्यूनतम तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, सत्रह अप्रैल तक तापमान में बढ़ोतरी जारी रहेगी।

विधायकों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सी.सी. प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी मीटिंग में भाग ले सकते हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ तथा ए.आई. सी.सी. महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल भी मीटिंग में भाग लेंगे क्योंकि कमलनाथ तो पार्टी नेतृत्व द्वारा कहा गया है कि वह पार्टी को एकजुट करने में मदद करें, जबकि वेणुगोपाल राजस्थान से राज्यसभा सदस्य होने के नाते मीटिंग में हिस्सा लेंगे। डोटासरा ने इस पर जोर दिया कि कांग्रेस के भीतर कोई मतभेद नहीं हैं तथा मुद्दों को एक साथ बैठक्र सुलझा लिया जाएगा। भाजपा की पूर्व सरकार पर पायलट द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर उन्होंने कहा कि यह वास्तविकता है कि वसुंधरा राजे सरकार भ्रष्ट थी, तभी तो कांग्रेस सत्ता में आई। उन्होंने राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर सैद्धांतिक रूप से सहमत कांग्रेस के एक नए फार्मूले का भी खुलासा किया। इसके अनुसार इस प्रकार की नियुक्तियाँ तीन माह के भीतर कर दी जाएंगी, क्योंकि इनमें विलम्ब होने के कारण ही पार्टी में मतभेद उभरे हैं।

राहुल के यूट्यूब चैनल की व्यूअरशिप घटी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। कांग्रेस ने अपने नेता राहुल गांधी से संबंधित यू-ट्यूब वीडियोज़ का दमन किए जाने की शिकायत करते हुए गूगल की पितृ कम्पनी "एल्फाबेट" को एक पत्र लिखा है। गूगल को लिखे गए पत्र के साथ ही देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी, कांग्रेस ने स्वयं द्वारा की गई एक रिसर्च को साझा करते हुए दावा किया है कि अडानी विवाद को लेकर दिए गए अपने संबोधन के बाद राहुल के यू-ट्यूब चैनल के वीडियोज़ की व्यूअरशिप प्रति सप्ताह 6 मिलियन से 3 मिलियन तक गिरी है।

पार्टी ने राहुल गांधी के वीडियोज़ की एक्सैस को लेकर एल्फाबेट के सी.ई.ओ. सुन्दर पिचाई को पिछले सप्ताह ही एक पत्र भेजकर इस मामले में जाँच कराने का अनुरोध किया था, क्योंकि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल के वीडियोज़ की व्यूअरशिप प्रति सप्ताह 10 मिलियन तक बढ़ी थी।

- पार्टी ने इसे साजिश करार दिया और कहा कि, संसद में राहुल गांधी ने अडानी पर बोला था, उसके बाद केन्द्र सरकार ने गूगल पर दबाव डालकर राहुल के यूट्यूब चैनल का दमन किया है। पार्टी ने इस बारे में गूगल के सी.ई.ओ. सुंदर पिचई को पत्र लिखा है।

ए.आई.सी.सी. डेटा एनैलैटिक्स के प्रमुख प्रवीण चक्रवर्ती ने पिचाई को लिखे एक पत्र में दावा किया कि लोकसभा में अडानी को लेकर की गई विवादास्पद स्पीच के बाद राहुल के यू-ट्यूब चैनल की व्यूअरशिप में अचानक से एक रहस्यमयी गिरावट आई है, जबकि उक्त स्पीच को लोकसभा के रिकॉर्ड से भी हटा गिया गया था।

एक पत्र में कहा गया कि इतने उतार-चढ़ाव का क्या कारण है? निश्चित रूप से विवादास्पद स्पीच के बाद व्यूअरशिप में अचानक आई गिरावट कोई संयोग नहीं है, बल्कि यह स्पष्ट रूप से एक दमन है, खासतौर पर उस स्थिति में जबकि तटस्थ माने जाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ही विपक्ष के स्वरों की कवरेज करने वाले एकमात्र संस्थान रह गए हैं।

अस्सी वर्षीय कांग्रेसाध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुके गहलोत, जो कि रिकॉर्ड तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, अपने उन युवा साथियों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार नहीं है, जिनकी मेहनत के बल पर पार्टी वर्ष 2018 में पुन: सत्ता में आई थी। वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार सत्ता से हाथ धो बैठी थी और 200 सदस्यीय विधानसभा में वह 75 सीटें खोकर 21 पर सिमट गई थी।

पार्टी का नेतृत्व करते हुए पायलट ने कड़ी मेहनत की और पार्टी को 100 सीटों तक पहुंचाया। गहलोत ने पार्टी नेतृत्व से आग्रह किया कि उन्हें एक और मौका दिया जाए। उन्होंने वादाकिया कि वे बीच के सीट छोड़ देंगे ताकि पायलट मुख्यमंत्री बने और वर्ष 2023 के चुनावों में पार्टी का नेतृत्व कर सके।

राजनैतिक हालात बदल गए क्योंकि 2019 में भाजपा आम चुनाव जीत गई और राजस्थान में कांग्रेस गहलोत के नेतृत्व में एक भी सीट नहीं जीत पाई। तब कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने हार की जिम्मेवारी ली और पार्टी अध्यक्ष पद त्याग दिया। सोनिया गांधी को अंतरिम मुखिया बनना पड़ा। बगावत, अवज्ञा, धोखा पार्टी में रोज की बात बन गई है। केन्द्रीय नेतृत्व की परिवर्तन करने की क्षमता भी संदेह के घेरे में आ गई। हताशा मे पायलट ने 2020 में गलती कर दी और बगावत कर दी। वे 14 विधायकों के साथ मुख्यमंत्री की और पार्टी की अवज्ञा कर विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं हुए। उनके इस कदम का भाजपा के साथ मेलजोल के रूप में देखा गया, हालांकि तब भी वे अपना हक मांग रहे थे।

राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने हस्तक्षेप किया और संकट "डिफ्यूज" हो गया। पायलट से एक बार फिर वादा किया गया कि उचित समय पर उनका उचित हक उन्हें मिलेगा। गहलोत कुर्सी खाली करने के मामले में कभी गंभीर दिखाई नहीं दिये, जबकि उनसे राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का नेतृत्व करने के लिये भी कहा जा रहा था। एक चतुर और चालाक राजनैतिक नेता, जो वे हैं, के रूप में, गहलोत ने केन्द्रीय नेतृत्व के साथ चालबाजी की तथा पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व खीजता और झुँझलाता रह गया।

खड़गे के सामने बड़े मुश्किल चयन हैं लेकिन वे इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि कोई भी पार्टी युवाओं और युवा-सुलम ऊर्जा के बिना आगे नहीं बढ़ सकती, हालाँकि अनुभव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। समय गहलोत के पक्ष में नहीं है तथा पायलट को यह बात अच्छी तरह जान लेनी जाहिये, लेकिन प्रश्न यह है कि पहले आँख कौन झपकायेगा, पहले कौन झुकेगा तथा इसका उत्तर तो खड़गे को ही देना होगा। 80-वर्षीय नेता की असली परीक्षा यही होगी।

पथ संचलन के दौरान लाठी रखने की अनुमति नहीं'

चेन्नई, 15 अप्रैल। तमिलनाडु पुलिस ने (आरएसएस) को पथ संचलन (रूट मार्च) निकालने की उच्चतम न्यायालय से अनुमति देने के कुछ दिनों बाद शनिवार को कहा कि, इस दौरान संघ कार्यकर्ताओं को लाठी ले जाने, किसी भी व्यक्ति, जाति या धर्म का गीत गाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने शीर्ष अदालत के आदेश के आधार पर आरएसएस को रविवार को राज्य भर में 45 स्थानों पर अपना पथ संचलन निकालने की अनुमति दे दी। राज्य के पुलिस महानिदेशक सी. सिलेंद्र बाबू ने सभी शहरों एवं जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भेजे पत्र में उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा है।

राष्ट्रपति चुनाव फिर से लड़ेंगे बाइडन

डबलिन, 15 अप्रेल। अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि, वे राष्ट्रपति पद के होने जा रहे चुनाव में फिर से मैदान में उतरेंगे। आयरिश राष्ट्रीय रेडियो और टेलीविजन प्रसारक आरटीई ने शनिवार को सूचना दी।शुक्रवार आधी रात को आयरलैंड से रवाना होने से पहले बाइडन ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने का मन बना लिया है और जल्द ही औपचारिक अभियान की घोषणा करेंगे।

बाइडन बुधवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर डबलिन पहुंचे। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने अपने आयरिश समकक्ष माइकल डी हिगिंस से मुलाकात की और आयरिश प्रधान मंत्री लियो वराडकर के साथ बातचीत की।

अतीक अहमद और उसके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अशरफ पर दो से तीन बदमाशों ने फायरिंग की है। अतीक को गोली मारने वाले बदमाश मीडियाकर्मी बन कर आए थे, गोली चलाने के बाद हमलावरों ने सरेंडर कर दिया और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। ज्ञातव्य है कि 13 अप्रैल को अतीक अहमद के बेटे असद की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या पर योगी के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की पहली प्रतिक्रिया सामने आई हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने बिना नाम लिए कहा कि पाप-पुण्य का हिसाब इसी जन्म में होता है। अतीक और अशरफ पुलिस की कस्टडी में थे। पुलिस टीम ने माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को लेकर आज कई जगहों पर छापेमारी की थी।

जापान के प्रधानमंत्री पर बम फेंका

सरकार के सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला

टोक्यो, 15 अप्रेल। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को शनिवार को वाकायामा शहर में एक भाषण के दौरान उन पर फेंके गए धुआं बम विस्फोट के बाद वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया। स्थानीय मीडिया ने यह रिपोर्ट दी है।

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने पुलिस सूत्रों का हवाले से बताया कि, वाकायामा शहर में एक बंदरगाह पर किशिदा पर पाइप जैसा बम फेंकने वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। एनएचके फुटेज में नजर आ रहा है कि जोरदार धमाके के बाद क्षेत्र में धुंआ फैल गया और लोगों की भीड़ को भागते हुए देखा गया है। इसी दौरान पुलिस अधिकारियों ने संदिग्ध को पकड़ कर जमीन पर बैठा दिया। क्योडो न्यूज और अन्य मीडिया आउटलेट के अनुसार किशिदा पर करीब 11:30 बजे धुंए वाला बम फेंका गया, जब वह प्रतिनिधि सभा के उपचुनाव के समर्थन में भाषण देने जा रहे थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि, घटना के बाद प्रधानमंत्री को तुरंत कवर लिया और घटनास्थल से सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्हें कोई चोट या क्षति नहीं पहुंची है। क्योडो न्यूज रिपोर्ट के अनुसार घटना के बाद किशिदा वाकायामा प्रांतीय पुलिस मुख्यालय में हैं और उनके भाषण को रद्द कर दिया गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब जापान अगले महीने हिरोशिमा में जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले उत्तरी साप्पोरो और नागानो के करुइजावा शहर में ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) मंत्रिस्तरीय बैठकों की मेजबानी करने वाला है।

- यह भी बताया जा रहा है कि, यह एक धुआं बम था, इसलिए ज्यादा क्षति नहीं हुई।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908